C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को ख़ुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा होने से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई

लोग। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीद्वार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में – 'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

1. बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है?
2. बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है?
3. बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है?
4. ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्रायः सफल क्यों नहीं हो पाते?
5. आशय स्पष्ट कीजिए - "प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।"
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- अर्जुन
- ढक्कन
- कोयल

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- मुह
- हसना

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- फैजल
- फौरन

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- बन्दर
- रनक

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- भूखा
- दिल्लीवाला

ख) उचित उपसर्ग पहचानिए:

- औगुन
- संवाद

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- योगी
- दौड़ना

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. वह क्या लिख रहा है
2. हाय अंडे तो टूट गए
3. धर्मराज युधिष्ठिर सत्य और धर्म के संरक्षक थे

ख) निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- सर्वेक्षण
- अभ्यागत
- मुनीश
- महौज

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 6. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. लेखक की दृष्टि में धर्म की भावना कैसी होनी चाहिए?
2. गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?
3. अतिथि सदैव देवता नहीं होता,वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है द्वारा लेखक क्या कहना चाहते हैं?
4. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

प्र. 6. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है?
2. पड़ोस के दुकानों में बैठे अथवा बाजार में खड़े लोग भगवाना की माँ से इतनी घृणा क्यों कर रहे थे क्या वे सही थे तर्क सहित उत्तर दीजिये।

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?
2. कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?
3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।
4. बच्ची के स्वभाव और बीमारी के समय की वर्तमान दशा में क्या अंतर आ गया था?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं। - इन पक्तियों द्वारा कवि क्या समझाने का प्रयास कर रहा है?
2. 'अग्नि पथ' कविता में कवि ने कुछ शब्दों पर विशेष बल दिया है- उन शब्दों द्वारा कवि क्या कहना चाहता है स्पष्ट कीजिए।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?
2. लेखक के छोटे भाई की चीख क्यों निकल गई?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- यदि में स्वास्थ्य मंत्री होता
- भाग्य और पुरुषार्थ

प्र. 10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रबंधक को पत्र लिखकर हिन्दी में प्रकाशित नवीनतम साहित्य की पुस्तकें भेजने हेतु अनुरोध कीजिए।
2. मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

प्र. 11. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

2.

प्र. 12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

2. दो मित्रों के बीच मैच के संबंध में हो रहा संवाद लिखिए।

प्र. 13. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. कंप्यूटर के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

2. बच्चों की नोटबुक के लिए विज्ञापन बनाइए।

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को ख़ुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा होने से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई

लोग। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं, जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीद्वार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में – 'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

1. बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है?

   उत्तर : एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों का होना बहुमुखी प्रतिभा कहलाती है। बहुमुखी प्रतिभा वालों को कई कामों को पूरा करने की इच्छा होती है और यही उनकी समस्या भी बन जाती है क्योंकि कभी-कभी एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाना दूसरे के काम में दखल देना जैसा हो जाता है।

2. बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है?

   उत्तर : बहुमुखी लोग स्पर्धा, असफलता और आलोचना से घबराते है।

3. बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है?

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ कई क्षेत्रों में होती है। उनकी असफलता की संभावना इसलिए होती क्योंकि वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं।

4. ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्राय: सफल क्यों नहीं हो पाते?

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं इसलिए वे प्रायः सफल नहीं होते।

5. आशय स्पष्ट कीजिए - "प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।"

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय प्रतिभाशाली व्यक्तियों की राह में आने वाली अड़चनों से है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'बहुमुखी प्रतिभा' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- अर्जुन - अ+र्+ज्+उ+न्+अ
- ढक्कन - ढ् + अ + क् + क् + अ + न् + अ
- कोयल - क् + ओ + य् + अ + ल् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- मुह - मुँह
- हसना - हँसना

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- फैजल - फ़ैज़ल
- फौरन - फ़ौरन

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- बन्दर - बंदर
- रनक - रंक

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- भूखा - आ
- दिल्लीवाला - वाला

ख) उचित उपसर्ग पहचानिए:

- औगुन - औ
- संवाद - सम्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- योगी - योग + ई
- दौड़ना - दौड़ + ना

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. वह क्या लिख रहा है

   उत्तर : वह क्या लिख रहा है?

2. हाय अंडे तो टूट गए

उत्तर : हाय! अंडे तो टूट गए।

3. धर्मराज युधिष्ठिर सत्य और धर्म के संरक्षक थे

उत्तर : धर्मराज (युधिष्ठिर) सत्य और धर्म के संरक्षक थे।

ख) निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- सर्वेक्षण = सर्व + ईक्षण
- अभ्यागत = अभी + आगत
- मुनीश = मुनि + ईश
- महौज = महा + ओज

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 6. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. लेखक की दृष्टि में धर्म की भावना कैसी होनी चाहिए?

उत्तर : हमारा देश स्वाधीन है। इसमें अपने-अपने धर्म को अपने ढंग से मनाने की पूरी स्वतंत्रता है। उसके अनुसार शंख, घंटा बजाना, ज़ोर-ज़ोर से नमाज़ पढ़ना ही केवल धर्म नहीं है। शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म के लक्षण हैं।

2. गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

उत्तर : गाँधीजी से मिलने आनेवालों से महादेव जी खुद मिलते थे, उनकी समस्याएँ सुनते, उनकी संक्षिप्त टिप्पणी तैयार करते और गांधी के सामने पेश करते थे और इसके बाद वे आने वालों के साथ उनकी रूबरू मुलाकात करवाते थे।

3. अतिथि सदैव देवता नहीं होता,वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है द्वारा लेखक क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर : अतिथि जब आता है तो देवता जैसा प्रतीत होता है। अतिथि जब बहुत दिनों तक किसी के घर ठहर जाता है तो 'अतिथि देवो भव 'का मूल्य नगण्य हो जाता है। आने के एक दिन बाद वह सामान्य हो जाता है अर्थात् इतना बुरा भी नहीं लगता इसलिए इसे मानव रुप में कहा है और ज़्यादा दिन रह जाए तो राक्षस जैसा प्रतीत होता है अर्थात् बुरा लगने लगता है।

4. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

उत्तर : बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरने को हिमपात कहा जाता है। ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ़ में हलचल मच जाती है। इससे बर्फ़ की बड़ी- बड़ी चट्टानें तत्काल गिर जाया करती हैं। अन्य कारणों से भी अचानक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे धरातल पर बड़ी चौड़ी दरारें पड़ जाती हैं। अधिक हिमपात के कारण तापमान में भारी गिरावट आती है। रास्ते बंद हो जाते हैं।

प्र. 6. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है?

उत्तर : सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य नदियों के किनारे दिखाई देता है। कीचड़ जब थोड़ा सूख जाता है तो उस पर छोटे-छोटे पक्षी बगुले आदि घूमने लगते हैं। कुछ अधिक सूखने पर गाय, भैंस, भेड़, बकरियाँ भी चलने-फिरने लगते हैं। कीचड़ सूखकर टुकड़ों में बँट जाता है, उसमें दरार पड़ जाती है। इनका आकार

टेढ़ा-मेढ़ा होने से सुखाए हुए खोपरों जैसे सुन्दर लगते है। ऐसा दृश्य लगता है कि यहाँ कोई युद्ध लड़ा गया हो। ये सारा दृश्य बहुत सुन्दर लगता है। कभी-कभी किनारे पर समतल और चिकना फैला कीचड़ भी सुन्दर लगता है।

2. पड़ोस के दुकानों में बैठे अथवा बाजार में खड़े लोग भगवाना की माँ से इतनी घृणा क्यों कर रहे थे क्या वे सही थे तर्क सहित उत्तर दीजिये।

उत्तर : पड़ोस के दुकानों में बैठे अथवा बाजार में खड़े लोग भगवाना की माँ से घृणा कर रहे थे क्योंकि वह अपने बेटे की मृत्यु के दूसरे ही दिन बाजार में अपना सामान बेचने चली आती है। लोगों के अनुसार सूतक के दिनों तक तो उसे घर में ही रहना चाहिए था। जिन लोगों को इसके पुत्र के मरने का पता नहीं। वे यदि उससे खरबूजे खरीदेंगे तो उनका ईमान-धरम नष्ट हो जाएगा।

लोगों की उसके साथ घृणा बिल्कुल भी उचित नहीं थी। बुढ़िया की आर्थिक परिस्थिति बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी बेटे के जाने से घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य भी चला गया था। बुढ़िया के पास अपने बेटे के परिवार को खिलाने के लिए कुछ भी नहीं था। इसलिए मजबूरी वश वह बाजार में खरबूजे बेचने चली आती है। ऐसे मैं उस पर फब्तियाँ कसने वालों को जरा उसकी आर्थिक स्थिति को समझना चाहिए था। बिना जाने इस तरह का बर्ताव का कोई औचित्य ही नहीं बनता है।

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?

उत्तर : जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है वहाँ का माहौल बड़ा ही गंदगी से भरा और प्रदूषित होता है। इनका घर कूड़े-कर्कट, बदबूदार, तंग और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है। यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में रहने के बाद भी ये दूसरों के जीवन में खुशबू बिखरने का काम करते हैं।

2. कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर : कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए कुछ निशानियाँ बना रखीं थी जैसे- पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदि जो नित्य-प्रतिदिन होनेवाले बदलाव के कारण मिट गईं हैं इसलिए कवि एक घर पीछे या दो घर आगे अपने घर को ढूँढते हुए चल देता है।

3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : दूसरे पद में 'गरीब निवाजु' ईश्वर को कहा गया है। ईश्वर को 'निवाजु ईश्वर' कहने का कारण यह है कि वे निम्न जाति के भक्तों को भी समभाव स्थान देते हैं, गरीबों का उद्धार करते हैं, उन्हें सम्मान दिलाते हैं, सबके कष्ट हरते हैं और भवसागर से पार उतारते हैं।

4. बच्ची के स्वभाव और बीमारी के समय की वर्तमान दशा में क्या अंतर आ गया था?

उत्तर : सुखिया का स्वभाव से चंचल और शरारती थी। वह पलभर भी घर में रुकती नहीं थी। वह हर समय खेल में मस्त रहती थी। परंतु महामारी की चपेट में आने के बाद सुखिया शांत स्थिर हो गई थी।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं। - इन पक्तियों द्वारा कवि क्या समझाने का प्रयास कर रहा है?

उत्तर : इस पंक्ति का भाव यह है कि दोहे में अक्षर कम होने के बावजूद उसमें गूढ़ अर्थ छिपा रहता है। उनका गूढ़ अर्थ ही उनकी गागर में सागर भरने की प्रवृत्ति को स्पष्ट कर देता है। ठीक वैसे ही जैसे नट कुंडली को समेटकर कूदकर रस्सी पर चढ़ जाता है। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि हम जीवन में जो भी कार्य करें उसमें हमें सिद्धहस्त होना चाहिए।

2. 'अग्नि पथ' कविता में कवि ने कुछ शब्दों पर विशेष बल दिया है- उन शब्दों द्वारा कवि क्या कहना चाहता है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में कवि ने कुछ शब्दों पर विशेष बल मनुष्य के लक्ष्य के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों को बताने के लिए किया है। कवि मनुष्य को आगाह करना चाहते हैं कि मार्ग कठिनाइयों से भरा पड़ा है ऐसे में वह सुखों की कामना करना उसके लक्ष्य प्राप्ति के लिए बाधक है। इसलिए कवि इन शब्दों पर बल देकर मनुष्य

में लक्ष्य के प्रति दृढ़ता और आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देना चाहता है।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

   उत्तर : तक्षशिला में धर्म के नाम पर धार्मिक झगड़ें जन्म लेते रहते थे। जब लेखक इन झगड़ें की खबर पढ़ रहे थे तब लेखक को हामिद खाँ का ध्यान आया जहाँ लेखक ने खाना बड़े अपनेपन से खाया था। उसने सोचा भगवान करे हामिद खाँ सुरक्षित हो। इसके लिए लेखक ने प्रार्थना भी की। इससे लेखक के धार्मिक एकता की भावना का पता लगता है। उसमें हिंदू-मुसलमान में कोई फर्क नहीं। वह एक अच्छा इंसान है।

2. लेखक के छोटे भाई की चीख क्यों निकल गई?

   उत्तर : लेखक के कुएँ में उतरने के कुछ देर पश्चात साँप की भयंकर फुफकार और लेखक के उछलने से हुए धमाके से लेखक के छोटे भाई को लगा कि साँप के काटने से शायद उसका भाई गिर गया है और इसी आशंका के चलते छोटे भाई की चीख निकल पड़ी।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

यदि में स्वास्थ्य मंत्री होता

यदि मैं अपने देश का स्वास्थ्य मंत्री होता तो अपने आपको, सचमुच बड़ा भाग्यशाली मानता, क्योंकि देश-सेवा का ऐसा सुनहरा अवसर और कोई हो ही नहीं सकता क्योंकि स्वस्थ लोगों से ही एक सबल राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है।

बचपन से ही मेरे मन में स्वास्थ्य मंत्री बनने की इच्छा थी इसका कारण यह था कि मैं बचपन में जिस कस्बे में पला बढ़ा वहाँ पर प्राथमिक उपचार की भी सुविधा नहीं थी। इस कारण कई बार लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। खुद मेरे दादाजी को सही उपचार न मिलने के कारण उनकी मृत्यु मेरी ही आँखों के सामने हुई।

मैं अपने कार्यकाल के दौरान देश में आम नागरिकों को सस्ती और उचित स्वास्थ्य सेवाओं को पहुँचाने हेतु सरकारी अस्पताल का अधिक से अधिक निर्माण करता। जहाँ जनता को मुफ्त जाँच मुफ्त, इलाज, दवाईंयाँ आदि मिलती। मैं जेनेरिक दुकानों में भी वृद्धि करता जिसके फलस्वरूप महँगी दवाई बेचने वालों पर मैं लगाम कस सकता। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए संसद में एक अलग बजट पेश करता।

भारत वासियों के स्वास्थ्य सुधार के लिए ठोस कदम उठाता, गाँवों की स्वास्थ्य प्रगति के लिए पंचायतों को विशेष अधिकार देता, समाजसुधारकों और ग्राम सेवकों को भी प्रोत्साहित करता।

स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते मैं प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर प्रतिबंध लगाता। पर्यावरणीय स्वच्छता के लिए प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा देता और

दूसरी और वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए गाँव-गाँव और नगर-नगर नागरिक समितियों का गठन करता और पूरे देश को इसमें सह भागी करता। गंदगी करनेवालों, प्रदूषण फैलाने वाले, नियम और कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्यवाही करता।
मैं स्वयं अपनी सेवा कर्तव्यनिष्ठा से एक आदर्श प्रस्तुत करने का प्रयत्न करता। मैं विरोधी पक्षों के दृष्टीकोण को समझने की पूरी कोशिश करता और देश की स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने के लिए उनका सहयोग लेता। अपने सहयोगी के सदस्यों को मैं उनकी योग्यता के अनुसार उचित जिम्मेदारी सौंपता, उस सब के प्रति मेरा व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण तथा निष्पक्ष होता, फिर भी किसी तरह भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करता। स्वास्थ्य मंत्री के नाते में अपना लक्ष्य देश को हर तरह से सुखी और समृद्ध और स्वस्थ बनाने की ओर ही केंद्रित करता।

भाग्य और पुरुषार्थ

भाग्य और पुरुषार्थ। कभी लगता है भाग्य श्रेष्ठ है। कभी लगता है कि पुरुषार्थ श्रेष्ठ है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी धारणा होती है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता कठिन परिश्रम से ही मिलती है। अकर्मण्य व्यक्ति देश, जाति, समाज और परिवार के लिए एक भार बन जाते हैं। जो व्यक्ति दूसरों का मुँह ताकते रहते हैं, वह पराधीन हैं - दास हैं।
कुछ लोग यह समझते हैं कि 'वही होगा जो मंजूरे खुदा होगा' और अकर्मण्य बन जाते हैं। ऐसे लोग भाग्यवाद में विश्वास करते हैं और प्रयत्न से कोसों दूर रह जाते हैं। आलसी कभी सफलता नहीं पाता। केवल आलसी लोग ही हमेशा 'दैव-दैव' करते रहते हैं और कर्मशील लोग 'दैव-दैव आलसी पुकारा' कहकर उनका उपहास करते हैं।
यह संसार कर्म करने वालों की पूजा करता है। कर्मशील व्यक्ति भाग्य को अपने वश में कर लेते हैं। पर्वत भी इनके आगे शीश झुकाते हैं।

मनुष्य परिश्रम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य सिद्ध कर सकता है। परिश्रम अर्थात् मेहनत के ही द्वारा मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। कोई भी कार्य केवल हमारी इच्छा मात्र से ही नहीं सिद्ध होता है, उसके लिये हमें कठिन परिश्रम का सहारा लेना पड़ता है। जैसे सोए हुए शेर के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नही करता उसे भी परिश्रम करना पड़ता है, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नही होते उनके लिये परिश्रम करना पड़ता है। प्राचीन ग्रंथ, महाभारत में भी गुरू द्रोण के शिष्य अर्जुन, कठिन परिश्रम के ही द्वारा सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बन सके। भारत देश की स्वतंत्रता भी गांधी जी और नेहरू जी जैसे महापुरुषों के परिश्रम का फल है। परिश्रम ही सफ़लता की कुंजी है।

प्र. 10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रबंधक को पत्र लिखकर हिन्दी में प्रकाशित नवीनतम साहित्य की पुस्तकें भेजने हेतु अनुरोध कीजिए।

   राम भवन

   सोलापुर

   दिनाँक: 15 मार्च 20xx

   सेवा में,

   प्रबंधक

   नेशनल बुक ट्रस्ट

   दरियागंज

   नई दिल्ली

   विषय : पुस्तकें मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र।

   महोदय,

मुझे हिन्दी में प्रकाशित इस महीने की नवीनतम पुस्तकें जल्दी ही चाहिए। मैंने पुस्तकों की अग्रिम राशि रूपए 2500 भी दिनाँक 10 मार्च को मनी आर्डर से भेज दी है। अत: आपसे निवेदन है कि मुझे जल्दसे-जल्द पुस्तकों वी.पी.पी से भेजने का प्रयास करें।

धन्यवाद।

भवदीय

सौरभ चटर्जी

2. मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

राजा शिवाजी विद्यालय छात्रावास

मैनपुरी

उत्तर-प्रदेश

दिनाँक: 03 फरवरी, 20xx

प्रिय मित्र अनुज

सप्रेम नमस्ते।

अभी-अभी तुम्हारा पत्र मिला। अंतर्विदयालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पढ़कर मन खुशी से झूम उठा। इस अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम भविष्य में ऐसी ही सफलताएँ प्राप्त करते रहो।

तुम्हारे माता पिता को मेरी ओर से सादर प्रणाम तथा छोटी बहन हेमाली को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अमर

प्र. 11. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र वृक्षारोपण से संबंधित चित्र है। इस चित्र में हमें स्काउट और गाइड के बच्चे वृक्षारोपण करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ बच्चे पौधे रोप रहे हैं तो कुछ बच्चे पौधों में पानी डाल रहे हैं। सभी बच्चे खुश नजर आ रहे हैं और अपने-अपने काम को लगन और तन्मयता से कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का

विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

2.

उपर्युक्त चित्र किसी गाँव के घर से संबंधित है। चित्र में हमें एक महिला मिट्टी के चूल्हे के सामने खाना बनाती हुई नजर आ रही है। महिला ने सिर पर घूँघट डाल रखा है। इसे देखकर पता चलता है कि वहाँ पर पर्दा-प्रथा का चलन है। आज भी हमारे भारतवर्ष में कई गाँवों में पर्दा-प्रथा का चलन है। आज भी महिलाओं को पूरी आजादी नहीं मिली है। उन्हें घर

की चाहरदीवारी तक ही सीमित रखा जाता है। आज भी इस तरह की कई कुप्रथाओं के कारण महिलाओं का शोषण होता रहता है।

प्र. 12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

कंडक्टर : टिकिट टिकिट..

विद्यार्थी : 1 अभिनव कॉलेज स्टॉप

कंडक्टर : 10रु.

विद्यार्थी : मैं तो रोज 8रु. में जाता हूँ।

कंडक्टर : हाँ ! जाते होगे परंतु आज से भाव बढ़ गया।

विद्यार्थी : क्या बात कर रहे हैं? तीन महीने पहले ही तो 6रु. से बढ़कर 8रु. हुआ था।

कंडक्टर : अब हम क्या करे? महंगाई बढ़ती है और सरकार दाम बढ़ाती है।

विद्यार्थी : हाँ महंगाई बढ़ती है इसका भुगतान जनता को ही करना पड़ता है।

कंडक्टर : क्या करे?

विद्यार्थी : हमें सरकार से बार-बार टिकट के दाम बढ़ाने को लेकर शिकायत करनी चाहिए।

कंडक्टर : हमारा तो काम है यह, आप बाबू लोग देखों।

विद्यार्थी : ठीक है, हम ही कुछ करेंगे।

2. दो मित्रों के बीच मैच के संबंध में हो रहा संवाद लिखिए।

विजय : कल छुट्टी है, तो घूमने चले?

मीरज : नहीं, तुम्हें पता नहीं कल सेमी फाइनल्स मैच है।

विजय : अरे हाँ! मैं तो एकदम भूल ही गया था। अच्छा हुआ तुमने याद करवा दिया।

मीरज : मुझे तो क्रिकेट इतना पसंद है कि मैं कोई मैच देखना नहीं छोड़ता।

विजय : क्या बात है।

मीरज : एक काम करो कल तुम मेरे घर आ जाओ हम दोनों दोस्त साथ में मिलकर मैच देखेंगे।

विजय : हाँ दोस्तों साथ क्रिकेट देखने की तो बात ही कुछ और है।

मीरज : मैंने तो इंडिया टीम का टी-शर्ट भी ली है।

विजय : तुम तो क्रिकेट के बहुत बड़े चाहक लगते हो।

मीरज : चलो फिर कल मिलते है।

विजय : पक्का।

प्र. 13. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. कंप्यूटर के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

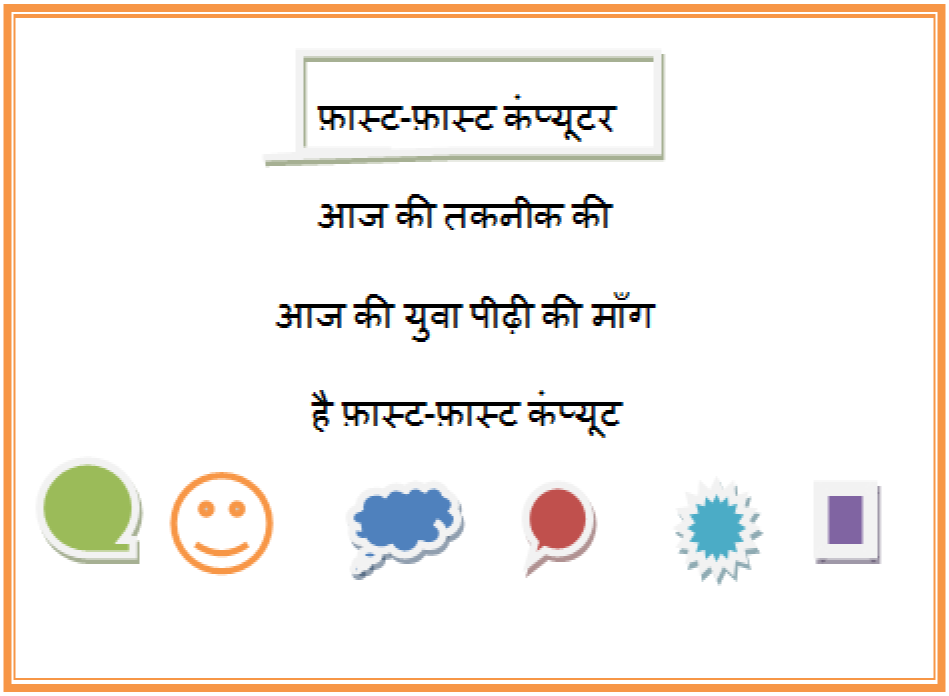

2. बच्चों की नोटबुक के लिए विज्ञापन बनाइए।

सुंद्रिका नोटबुक

अच्छे सुंदर अक्षर पाइए

सुंद्रिका नोटबुक आज ही लाइए।